अध्याय
03

रीढ़ की हड्डी

जगदीश चंद्र माथुर

© NCERT not to be republished

1.लेखक परिचय

*पूरा नाम- जगदीश चंद्र माथुर

*जन्म- 16 जुलाई 1917 ई. में हुआ था।

*जन्म स्थान- खुर्जा, बुलंदशहर जिला, उत्तर प्रदेश हुआ था।

*मृत्यु- 14 मई 1978 ई. में हुआ था।

*शिक्षा- प्रयाग विश्वविद्यालय एम.ए . (अंग्रेजी) में किया।

*1941 ईस्वी में इंडियन सिविल सर्विस में चुन लिए गए।

*1955-1962 ई. तक आकाशवाणी-भारत सरकार के महासंचालक के रूप में कार्य किया।

*19 दिसंबर 1978 ईस्वी से भारत सरकार के हिंदी सलाहकार रहें।

2. साहित्यिक परिचय

*नाटककार एवं लेखक है।

*नाटकों में विविधता मिलता है।

*ऐतिहासिक नाटक भी लिखें है।

*सामाजिक समस्याओं से जुड़े एकांकी नाटक।

*व्यंग्य एकांकी।

3. प्रमुख कृतियां

***एकांकी संग्रह:-** भोर का तारा 1946ई.

***नाटक:-** कोणार्क 1950

दशरथ नंदन ,1974

पहला राजा 1970

शारदीय 1959

रघुकुल रीति 1985

***उपन्यास :-**

यादों का पहाड़ 1966

धरती धन न अपना 1972

आधा पुल 1973

घास गोदाम 1985

नरक कुंड में बांस 19 94

लाट की वापसी 2000

जमीन तो अपनी थी 2001

4.पाठ परिचय

रीढ़ की हड्डी- जगदीश चंद्र माथुर

विधा -एकांकी

पात्र परिचय

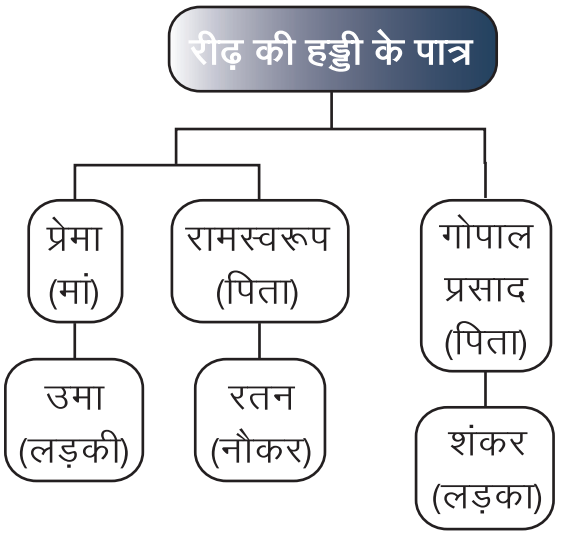

© JCERT not to be republished

पात्र-6

उमा-लड़की (एकांकी की नायिका), पढ़ी-लिखी और स्वाभिमानी लड़की

प्रेमा - लड़की की मां

रामस्वरूप - लड़की का पिता

शंकर - लड़का

गोपाल प्रसाद - लड़का का पिता

रतन - रामस्वरूप का नौकर

पाठ का सार

* 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी में लेखक ने समाज में स्त्रियों के प्रति व्याप्त रूढ़िवादी मानसिकता पर प्रहार करते हुए स्त्रियों की शिक्षा एवं उससे उत्पन्न उनके आत्मविश्वास और साहस को दर्शाया है।

*इसी तरह इस एकांकी कहानी में रामस्वरूप और प्रेमा उसकी पत्नी के विचारों को दर्शाया है।

*रामस्वरूप अपनी बेटी उमा को पढ़ाया - लिखाया और एक अच्छे पिता होने का कर्तव्य निभाया।

* रामस्वरूप अपनी बेटी का विवाह उनके रिश्तेदार गोपाल प्रसाद के बेटे शंकर से करवाना चाहता था जो कि पढ़ा - लिखा होने के साथ-साथ अच्छे घर का था।

*लड़के का पिता, गोपाल प्रसाद पुराने विचारधारा में विश्वास रखने वालों में से थे।

*वे नए ज़माने की रहन - सहन से संतुष्ट नहीं थे। वे चाहते थे कि उनके परिवार में स्त्रियाँ सिर्फ घर की काम-काज में निपुण हों। बाहर जाकर नौकरी करने वाली स्त्रियाँ उन्हें पसंद नहीं थी।

*परन्तु उमा ने जब यह सब देखा तो उसे रहा न गया और उसने बताया कि आपके विचार से मैं सहमत नहीं हूँ क्योंकि अगर लड़के बाहर काम करने जा सकते हैं, तो लड़कियाँ क्यों नहीं? और उन्होंने शंकर के बारे में सारी बातें बता दी।

* एकांकी के अंत में रिश्ता टूट जाता है। इस एकांकी में छह पात्रों का किरदार निभाया गया है और वे हैं - रतन, रामस्वरूप, गो.प्रसाद, शंकर, उमा और प्रेमा।

प्रश्न - अभ्यास

1. रामस्वरूप और गोपाल प्रसाद बात-बात पर "एक हमारा जमाना था" कह कर अपने समय की तुलना वर्तमान समय से करते हैं। इस प्रकार की तुलना करना कहां तक तर्कसंगत है ?

उत्तर- यह मनुष्य का स्वाभाविक गुण है कि वह हमेशा अपने बीते हुए समय को याद करता है तथा उससे ही सही ठहराता है परंतु बीते हुए समय की तुलना वर्तमान समय से करना तर्कसंगत नहीं है क्योंकि समय के साथ समाज

© JCERT not to be republished

में, जलवायु में, खानपान में सब में परिवर्तन होता रहता है, जैसे उस वक्त की वस्तुओं की गुणवत्ता हमें आज प्राप्त नहीं होती। उस समय का स्वच्छ वातावरण आज हमें प्राप्त नहीं होता, तो हम कैसे कल की तुलना आज से कर सकते हैं। समय परिवर्तनशील है वह सदैव एक सा नहीं रहता समय के साथ हुए बदलाव को स्वीकार करने में ही भलाई है न कि उसकी तुलना बीते हुए कल में करने में। इस प्रकार बीते हुए समय की तुलना वर्तमान से करना तर्कसंगत नहीं है।

2. रामस्वरूप का अपनी बेटी को उच्च शिक्षा दिलवाना और व्यवहार के लिए छिपाना यह विरोधाभास उनकी किस विवशता को उजागर करता है?

उत्तर:- आधुनिक समय में रूढ़िवादी लोग लड़के को शिक्षित करना शान समझते हैं परंतु लड़की को शिक्षा देना जरूरी नहीं समझते। आधुनिक समाज में सभ्य नागरिक होने के बावजूद रामस्वरूप को अपनी बेटी के भविष्य की खातिर रूढ़िवादी लोगों के दबाव में झुकना पड़ रहा था। जहां एक ओर पिता की विवशता को उजागर करती है, वहीं दूसरी ओर अपनी बेटी को पढ़ा लिखा कर सक्षम बनाना चाहता है लेकिन समाज के नियमों को मारने के लिए बाध्य है।

3. अपनी बेटी का रिश्ता तय करने के लिए रामस्वरूप उमा से जिस प्रकार की व्यवहार की अपेक्षा कर रहे हैं, वह उचित क्यों नहीं है?

उत्तर:- अपनी बेटी का रिश्ता तय करने के लिए रामस्वरूप अपनी बेटी उमा से जिस प्रकार का व्यवहार की अपेक्षा कर रहे हैं उचित नहीं है। एक ओर वे अपनी बेटी उमा पढ़ी-लिखी लड़की है और उसको कम पढ़ा-लिखा साबित कर रहे हैं। तो दूसरी ओर उसे सुंदरता को और बढ़ाने के लिए प्रसाधन सामग्री का उपयोग करने के लिए कहते हैं जो अनुचित है। साथ साथ वे यह चाहते हैं कि उमा वैसा ही आचरण करें जैसा लड़के वाले चाहते हैं अर्थात गोपाल द्वारा पूछे गए हैं सवालो का उत्तर सहज भाव से दे। परंतु क्यों भूल रहे हैं कि जिस प्रकार लड़के की अपेक्षाएं होती है ठीक उसी प्रकार लड़की की पसंद ना पसंद का भी ख्याल रखना चाहिए। लड़की कोई निर्जीव वस्तु नहीं बल्कि आज समाज में लड़का तथा लड़की को समान अधिकार प्राप्त है।

4. गोपाल प्रसाद विवाह को 'बिजनेस' मानते हैं और रामस्वरूप अपनी बेटी की उच्च शिक्षा छिपाते हैं। क्या आप मानते हैं कि दोनों ही समान रूप से अपराधी हैं? अपने विचार लिखें।

उत्तर:- दोनों ही समान रूप से अपराधी हैं गोपाल प्रसाद विवाह जैसे पवित्र बंधन मैं भी बिजनेस खोज रहे हैं उनके अनुसार सिर्फ चूल्हा चौका संभालने के लिए होती है इस तरह के आचरण से इस संबंध की मधुरता तथा संबंधों की गरिमा को कम कर रहे हैं।

रामस्वरूप आधुनिक सोच वाले व्यक्ति होने के बावजूद कायरता का परिचय देते हैं चाहते तो अपनी बेटी के साथ मजबूती से खड़े होकर और स्वाभिमानी वर की तलाश करते हैं, न की मजबूरी में आकर परिस्थितियों से समझौता करते। रामस्वरूप द्वारा बेटी की

© JCERT not to be republished

पसंद और नापसंद का ध्यान न रखना और जबरन उसका विवाह करना भी उचित नहीं है। अतः गोपाल प्रसाद रामस्वरूप दोनों ही समान रूप से अपराधी हैं।

5. "....आपके लाडले बेटे की रीड की हड्डी भी है या नहीं".... उमा इस कथन के माध्यम से शंकर की किन कमियों की ओर संकेत करना चाहती है?

उत्तर:- उपर्युक्त कथन के माध्यम से उमा शंकर की निम्न कमियों की ओर ध्यान दिलाना चाहती है-

(क) शंकर का चरित्र अच्छा नहीं है लड़कियों के हॉस्टल के चक्कर काटते हुए वह पकड़ा जा चुका है।

(ख) अपना कोई निजी व्यक्तित्व नहीं है वह अपने पिता के पीछे चलने वाला बेचारा जीव है जैसा कहा जाता है वैसा ही करता है वह कमजोर युवा वर्ग का प्रतिनिधित्व करता है।

(ग) शारीरिक रूप से भी समर्थ नहीं है वह शरीर से कमजोर है तथा सीधी तरह बैठ भी नहीं पाता। जब अपना बोझ नहीं संभाल सकता तो परिवार को क्या संभालेगा।

(घ) शंकर अपने पिता पर पूरी तरह आश्रित है। उसकी रीड की हड्डी नहीं है अर्थात उसकी अपनी कोई मर्जी नहीं है।

6. शंकर जैसे लड़के या उमा जैसी लड़की- समाज को कैसे व्यक्तित्व की जरूरत है? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

उत्तर:- समाज में आज उमा जैसे निडर, साहसी, दृढ़ तथा उच्च चरित्र वाले व्यक्तित्व की आवश्यकता है। ऐसी लड़कियां हैं गोपाल प्रसाद जैसे दोहरी मानसिकता रखने वाले लालची, ढोंगी लोगों को सबक सिखाया जा सकता है तथा दहेज जैसी कुरीतियों से लड़ सकती है। उमा समाज को एक नई दिशा देने में सक्षम है। आत्मविश्वास से भरे तथा नई सोच रखने वाली लड़की है जिससे समाज और देश का प्रगति हो सकता है। इसके विपरीत शंकर जैसे लड़के समाज के लिए अभिशाप है। शंकर जैसे व्यक्ति समाज का कोई दिशा नहीं प्रदान कर सकते हैं न किसी प्रकार का प्रेरणा स्रोत बन सकते हैं बल्कि समाज के लिए बोझ है। अतः आज समाज को उमा जैसे व्यक्तित्व की जरूरत है।

7. 'रीड की हड्डी' शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

उत्तर:- मानव शरीर में रीड की हड्डी को महत्वपूर्ण मानी जाती है सीधा रखने में मदद करता है साथ ही को मोड़ने बैठने झुकने कूदने में भी सहायता करता है लड़का और लड़की की हड्डी के समान होते हैं।

लेकिन गोपाल प्रसाद को अपने बेटे शंकर के लिए कम पढ़ी-लिखी किंतु अत्यंत सुंदर बहू चाहते हैं। वहीं दूसरी ओर शंकर शारीरिक दृष्टि से भी सक्षम नहीं है तथा अपने पिता पर आश्रित है। अर्थात अपने मर्जी से कुछ नहीं कर सकता। क्योंकि उसकी रीढ़ की हड्डी नहीं है।

© JCERT not to be republished

नर और नारी दोनों में समानता होनी चाहिए तभी एक सुंदर समाज की कल्पना की जा सकती है। इस प्रकार एकांकी का शीर्षक 'रीड की हड्डी' अत्यंत सार्थक है साथ ही समाज के मजबूत युवा वर्ग प्रतिक है।

8. कथावस्तु के आधार पर आप किसे एकांकी का मुख्य पात्र मानते हैं और क्यों?

उत्तर:- कथावस्तु के आधार पर एकांकी की मुख्य पात्र उमा ही लगती है। कोई भी लेखक जिस पात्र के माध्यम से अपने उद्देश्य की पूर्ति करता है, वही कथावस्तु का मुख्य पात्र होता है। इस एकांकी में लेखक समाज की सड़ी गली मानसिकता को उमा के माध्यम से व्यक्त करना चाहता है। उमा की उपस्थिति नारी समाज को एक नई सोच और दिशा प्रदान करते हैं।

9. एकांकी के आधार पर रामस्वरूप और गोपाल प्रसाद की चारित्रिक विशेषताएं बताइए।

उत्तर:- रामस्वरूप जी और गोपाल प्रसाद जी की सावित्री विशेषताएं इस प्रकार है-

रामस्वरूप -

रामस्वरूप एक स्वतंत्रता प्रिय व्यक्ति है। औरतों की शिक्षा के पक्ष पाती है इसलिए अपनी बेटी को भी बेटा की तरह उच्च शिक्षा दिलवाते हैं। वे एक स्नेही पिता है। रामस्वरूप अपनी पुत्री से बड़ा स्नेह करते हैं इसलिए उसके भविष्य की चिंता उन्हें सताती रहती है और इसी कारणवश वह अपनी पुत्री की शिक्षा भी लड़के वालों के आगे छिपा जाते हैं ।रामस्वरूप जी समझदार व्यक्ति हैं वह कई जगह गोपाल प्रसाद की गलत बातों को बड़ा ही समझदारी पूर्वक से जवाब दिया।

गोपाल प्रसाद -

गोपाल प्रसाद एक रोबदार व्यक्तित्व के व्यक्ति हैं। वकालत में होने के कार्य कारण अभिमान उनके व्यक्तित्व में झलकता है। गोपाल जी एक हंसमुख प्रवृत्ति के इंसान हैं बात बात पर मजाक करना उनका स्वभाव है। गोपाल प्रसाद एक चतुर व्यक्ति है इसलिए अपने बीमार वह चरित्रहीन बेटे के लिए एक कम पढ़ी-लिखी लड़की चाहते हैं ताकि वह कभी उसके सम्मुख आवाज ना उठा सके। उनके मत में इस संसार में समस्त सम्मान और अधिकारों का एकमात्र हकदार पुरुष है।

10. एकांकी का क्या उद्देश्य है? लिखिए।

उत्तर:- रीड की हड्डी एक उद्देश्य पूर्ण एकांकी है इस एकांकी के उद्देश्य निम्नलिखित हैं-

*यह एकांकी स्त्री-पुरुष की समानता का पक्षधर है।

*इस एकांकी का उद्देश्य समाज में औरतों की दशा को सुधारना व उनके अधिकारों के प्रति जागरूक कराना।

*लड़कियों के विवाह में आने वाली समस्या को समाज के सामने लाना।

*स्त्री शिक्षा के प्रति दोहरी मानसिकता रखने वालों को बेनकाब करना।

© JCERT not to be republished

*स्त्री को अपने विचार व्यक्त करने की आजादी देना तथा उसका सफल व्यक्तित्व प्रस्तुत करना है

*औरत को स्वयं के व्यक्तित्व की रक्षा करने का संदेश देना।

11. समाज में महिलाओं को उचित गरिमा दिलाने हेतु आप कौन-कौन से प्रयास कर सकते हैं?

उत्तर:- समाज में महिलाओं को उचित गरिमा दिलाने हेतु निम्नलिखित प्रयास कर सकते हैं-

'यत्र नार्यस्तु पुज्यंते रमंते प्रो त्र देवता' अर्थात (जहां नारी की पूजा होती है वहां देवता निवास करते हैं)

*नारी की प्रगति का मुख्य आधार शिक्षा है।

*स्त्री शिक्षा को बढ़ावा देना चाहिए।

*उसके मान-सम्मान का ध्यान रखना चाहिए तथा समय समय पर उन्हें पुरस्कृत करना चाहिए।

*लड़का और लड़की को समान अधिकार मिलने चाहिए।

*महिलाओं को उचित सम्मान देना चाहिए।

*महिलाओं को उनकी इच्छा के अनुसार हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का प्रोत्साहन देना चाहिए।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. उमा किस प्रकार की लड़की थी?

(a) महत्वकांशी, स्पष्टवादी और उदण्ड।

(b) सुशील, स्वाभिमानी और स्पष्टवादी।

(c) अध्ययनशील, विचारशील और स्पष्टवादी।

(d) निराशावादी, मितव्ययी और अल्पशिक्षित।

उत्तर:-(b) सुशील, स्वाभिमानी और स्पष्टवादी।

2. गोपाल प्रसाद विवाह को क्या मानते हैं?

(a) पारिवारिक संबंध मानते हैं।

(b) दो आत्माओं का मिलन मानते हैं।

(c) बिजनेस मानते हैं।

(d) जीवन को सुगम बनाने का रास्ता मानते हैं।

उत्तर:-(c) बिजनेस मानते हैं।

3. 'रीढ़ की हड्डी' गद्य की किस विधा के अंतर्गत आता है?

(a) एकांकी

(b) निबंध

(c) कहानी

(d) यात्रा वृतांत

उत्तर:-(a) एकांकी

© JSERT not to be republished

4. 'रीढ़ की हड्डी' किस समस्या पर आधारित है?

(a) राजनीतिक समस्या

(b आर्थिक समस्या

(c) सामाजिक समस्या

(d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर:-(c) सामाजिक समस्या

5. रामस्वरुप किसलिए इतनी हड़बड़ी में दिखाई दे रहे थे?

(a) घर में कुछ राजनेता आ रहे थे।

(b) बिटिया को देखने के लिए लड़के वाले आ रहे थे।

(c) बेटे को देखने के लिए लड़की वाले आ रहे थे।

(d) उनके कुछ पुराने मित्र आ रहे थे।

उत्तर:-(b) बिटिया को देखने के लिए लड़के वाले आ रहे थे।

6. पूरा एकांकी का केंद्र कहाँ था?

(a) एक होटल में

(b) एक कमरे में

(c) एक खेत में

(d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर:-(b) एक कमरे में

7. उमा कहाँ तक पढ़ी है?

(a) एम.ए (b) बी.ए

(c) इंटरमीडिएट (d) पी.एचडी

उत्तर:- (b) बी.ए

8. रामस्वरुपकीपत्नीप्रेमाकेअनुसारलड़की किसलिए अधिक सर चढ़ गई थी?

(a) अत्यधिक लाड़-प्यार के कारण।

(b) अशिक्षा और मूर्खता के कारण।

(c) अत्यधिक शिक्षा प्राप्त कर लेने के कारण।

(d) घर में एकलौती संतान होने के कारण।

उत्तर:-(c) अत्यधिक शिक्षा प्राप्त कर लेने के कारण।

9. गोपाल प्रसाद की कौन-सी बात सुनकर रामस्वरुप चौंक गए थे?

(a) कम पढ़ी-लिखी लड़की को ही पुत्र की पत्नी बनाने की बात सुनकर।

(b) जवानी में उनके द्वारा दर्जनों कचौड़ियाँ खाने की बात सुनकर।

(c) विवाह को 'बिज़नेस' की बात कहने का सुनकर।

(d) खूबसूरती पर टैक्स लगाने की बात सुनकर।

उत्तर:-(c) विवाह को 'बिज़नेस' की बात कहने का सुनकर।

10. रीढ़ की हड्डी' एकांकी का प्रमुख पात्र कौन है?

(a) रामस्वरूप

(b) उमा

(c) शंकर

(d) गोपाल प्रसाद

उत्तर:-(b) उमा

© JCERT not to be republished

11. हमारे समाज को आज कैसे व्यक्तित्व की जरूरत

(a) रामस्वरूप जैसे

(b) गोपाल प्रसाद जैसे

(c) उमा जैसे

(d) शंकर जैसे

उत्तर:-(c) उमा जैसे

12. 'झुकी कमर' लेखक ने किसकी खासियत बताई है?

(a) रामस्वरुप की

(b) गोपाल प्रसाद की

(c) शंकर की

(d) प्रेमा की

उत्तर:-(c) शंकर की

13. गोपाल प्रसाद के लिए लड़की के सौंदर्य से अधिक कौन सी चीज़ महत्वपूर्ण थी?

(a) उच्च शिक्षित

(b) अल्प शिक्षित

(c) कार्य कुशल

(d) हाज़िरजवाबी

उत्तर:-(b) अल्प शिक्षित

14. रामस्वरुप के अनुसार लड़कियों के सहारे किसका कारोबार चलता है?

(a) वस्त्रों का

(b) सौंदर्य प्रसाधनों का

(c) स्वर्ण आभूषणों का

(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर:-(b) सौंदर्य प्रसाधनों का

15. गोपाल प्रसाद के कानों में रामस्वरुप के परिवार के विषय में क्या भनक पड़ी थी?

(a) उनकी बेटी कुरुप और मूर्ख है।

(b) उनका परिवार विपन्न और बदनाम है।

(c) उनकी पुत्री पढ़ी-लिखी है।

(d) उनका बेटा स्वतन्त्रता सेनानी है।

उत्तर:- (c) उनकी पुत्री पढ़ी-लिखी है।

© JCERT not to be republished